Ex, तुरगञ्जताकुलस्य परितः परमेकतु रंगजन्मनः प्रमिथतस्भृतः प्रतिपयं मिथतस्य भृतं महीभृता । परिचलतो बलानुजबलस्य पुरः सततं भृतश्रिय-श्चिरगलितश्रियो जलनियेश्च तदाऽभवदंतरं महत् ॥ Si. 3. 82.

(2) **स्र**ग्धरा

Def. म्रिश्नेयांनां त्रयेण त्रिमुनियतियुता स्वस्थरा कीर्तितेयम् Seh. G. म, र, भ, न, य, य, य (7. 7. 7.) Fx. या मृष्टिः स्रष्टुराचा वहति विधिहृतं या हवियां च होत्री य द्वे कालं विधत्तः श्रृतिविषयगुणा या स्थिता न्याप्य

> विश्वम् । यामाद्वः सर्वभृतप्रकृतिगिति यया प्राणिनः प्राणवंतः प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः ॥ S. 1. 1.

Metres with 22 Syllables in a quarter.

(आकृति) हंसी

Def. मौ गौ नाश्वत्वारों गो गो वसुभुवनयतिरिति भवति हंसी Seh. G. म, म, त, न, न, न, न, न, ग (8.14)

Ex. सार्थ कांतेनैकांतेऽसौ विकचकमछमधुसुरिम पिवंती कामकीडाक्तस्फीतप्रमदसरसतरमछघु रसंती। कािट्टियो पद्मारण्ये पवनपतनपरितरलपरागे कंसाराते पद्म स्वेच्छं सरमसगितिरिह विलसति हंसी॥

Metres with 23 Syllables in a quarter.

(विकृति) अद्रितनया

Def. नजमजभा जभी लघुगुरू बुधैस्तु गदितयमाद्रितनया Seh. G. न, ज, भ, ज, भ, ज, भ, ल, ग (11.12) Ex. खरतरशीर्यपावकशिखापतंगनिभममदासदनुजो जलधिमुताविलासवसतिः सतां गतिरश्चमान्यभिद्दमा ॥ भुवनहितावतारचतुरश्चराचरधरे। Sवतीर्ण इद्द हि क्षितिवलयेऽस्ति कंसशमनस्तवेति तमवोचददितनया ॥

Metres with 24 Syllables in a quarter.

(संस्कृति) तन्वी

Def. भ्तमुनीनैर्यतिरिह भतनाः स्मौ भनयाश्च यति भवति तन्वी ।

Sch. G. म, त, न, स, म, म, न, य (5. 7. 11)

Metres with 25 Syllables in a quarter.

(अतिकृति) काँचपदा

कौंचपदा भमी स्मी ननना गाविषुशरवसुमुनिविर-तिरिह भवेत

Seh. G. भ, म, स, भ, न, न, न, ग (5. 5. 8. 7)

Def.

Metres with 26 Syllables in a quarter.

उत्कृति भुजंगविजंभित

Def. वस्वीशाश्वैश्छेदांपेतं ममतनयुगनरसलगैर्भुजंगविज्ञंभितम्

Sch. G. म, म, त, न, न, र, स, छ, ग (8.11.7)

दंडक.

Metres with 27 or more letters in each quarter are designated by the general name रहक. The highest number of syllables in a quarter of this species of metre is said to be 999. In each quarter there must be first two naganas or six short syllables, and the remaining may be either raganas or yaganas, or all the feet may be saganas. The classes of रहक usually mentioned are चंडवृष्टिप्रयात, प्रचितक, मत्तमातंगलीलाकर, सिंहविकांत, कुसुमस्त-वक, अनंगशेखर, संप्राम &c. Mál. 5. 23 is an instance of this last species of Dannaka.

SECTION B.

अर्धसमब्दा (Half-equal Metres) (1) अपरवक्त्र

(Sometimes called वैतालीय)

Def. े अयुजि ननरला गुरुः समे तद्परवक्त्रामिदं नजी जरी।

Sch. G. न, न, र, छ, ग, (odd quarter) न, ज, ज, र (even quarter)

Ex. स्फुटसुमधुरवेणुगीतिमि-स्तमपरवक्त्रमवेत्य माधवम् । मृगयुवतिगणैः समं स्थिता ब्रजवनिता धतचित्तविश्रमा ॥

(2) उपचित्र

Def. विषमे यदि सौ सलगा दले भौ युजि भादगुरुकानुपचित्रम्।

Sch. G. स, स, स, छ, ग (odd quarter) भ, भ, भ, ग, ग (even quarter)

Ex. मुरवैरिवपुस्तनुतां मुदं हेमनिभांशुकचंदनलिप्तम् । गगनं चपलामिलितं यथा शारदनीरधरैरुपचित्रम् ॥

> (3) पुष्पितात्रा (Also called औपच्छंदासिक)

Def. अयुजि नयुगरेफतो यकारो युजि तु नजी जरगाश्च पुष्पितप्रा। ेch, G. न. न. र. य (odd quarter)

. G. न, न, र, य (odd quarter) न, ज, ज, र, ग (even quarter)

Ex, अथ मदनवधूरुपप्रवांतं व्यसनकृशा परिपालयांवभूव । शिशन इव दिवातनस्य लेखा किरणपरिक्षयधूसरा प्रदोषम् ॥

Ku. 4. 46.

(4) वियोगिनी

(Also called वैतालीय or मुंदरी)

Def. विषमे समजा गुरुः समे समरा लोऽथ गुरुवियोगिनी।

Sch. G. स, स, ज, ग (odd quarter) स, भ, र, छ, ग (even quarter)

Ex. सहसा विद्धांत न किया-मविवेक: परमापदां पदम् ।